ARFAT
Date
Page

Unit test Course start

(Ch=9) वर्षा रानी

(Ch=10) घुमक्कड़ चूहा

Good

16/11/2023

ईश्वर एक है

वर्षा रानी

पाठ-9

कविता

1- तुम धन्य हो वर्षा रानी।

2- मृतप्रायों को देती पानी।

3- जग में तुम खुशियाँ लाती,

4- खेतों में हरियाली लाती।

5- संग अनेक सहेली लाती।

6- तपते जगत में शीतलता लाती।

7- तरह-तरह तुम फूल खिलाती।

8- जंगल में भी मंगल लाती।

16/11/23

शब्द	अर्थ
मदमाये	मेरे हुओ की तरह
तमतमाते	गरम
मतवाला	खुशियाँ
जगत	संसार
अन्नदात्री	अन्न देने वाली
अरमान	इच्छा, कामना
प्राण	जीवन, शक्ति, सो
आगवानी	स्वागत करना

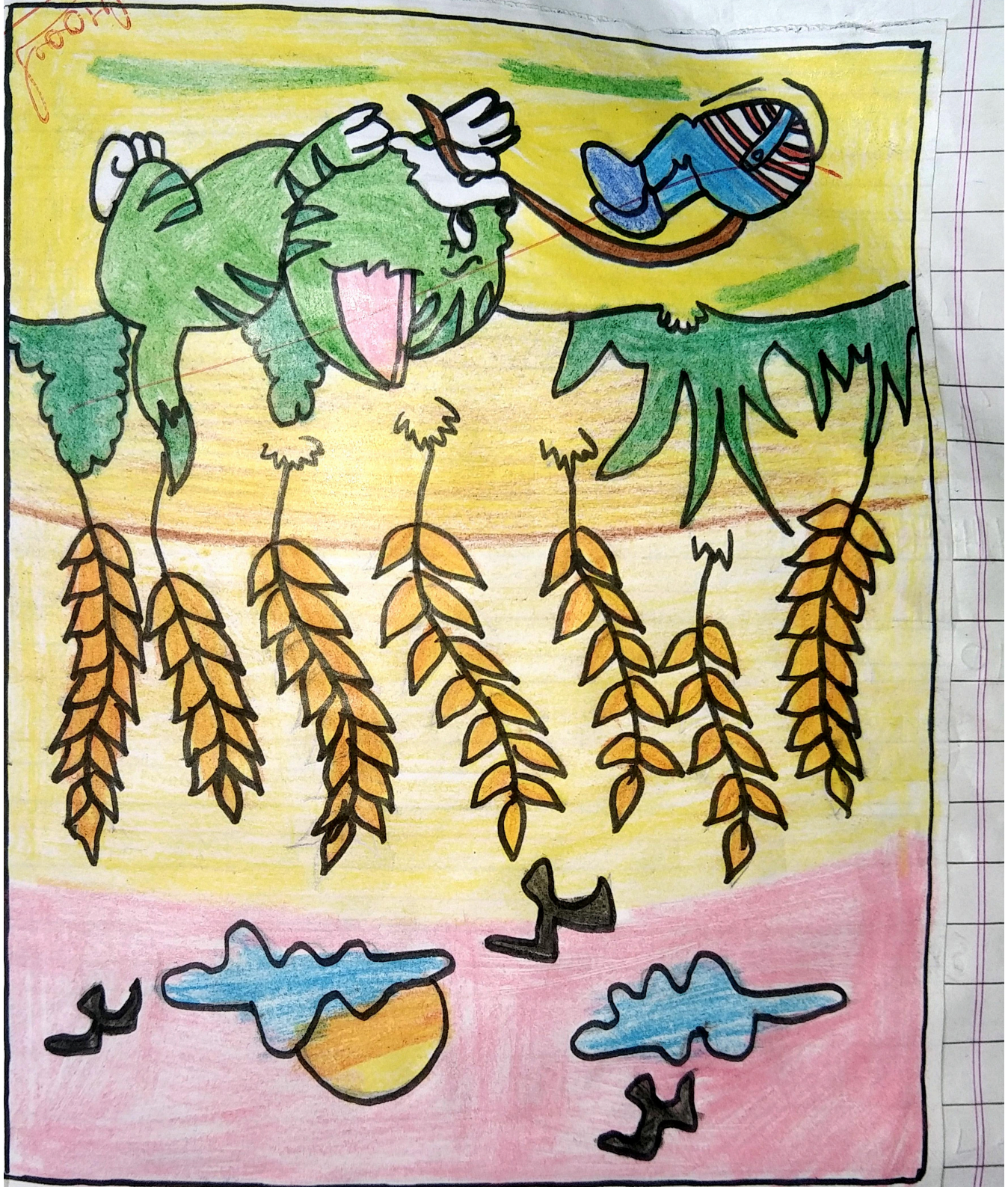

21/1/23

खुश रहो

भुक्कड़ चूहा

पाठ - 10

रूपरेखा

एक जंगल में बहुत सारे चूहे रहते थे। उसमें से एक चूहा बहुत ही ज़्यादा भुक्कड़ था। वह दिन-रात खाता रहता था। उसके खाने से उसके घर वाले भी बहुत परेशान थे, लेकिन चूहा अपनी आदत से मजबूर था वह कितना भी खाता लेकिन उसे संतुष्टि नहीं मिलती।

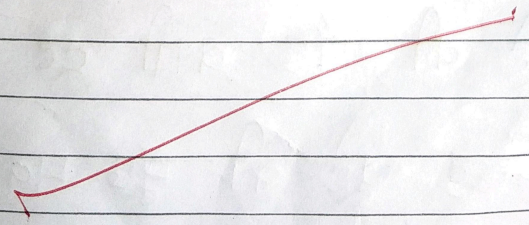

21-11-23

कठिन शब्द

1. भुक्कड़
2. संतुष्टि
3. जन्मदिन
4. पार्टी
5. चित्र
6. बिल्ली
7. मज़ेदार
8. मसल
9. ताँबाकर
10. तमाम
11. अचानक
12. कोशिश

ARFAT
Date
Page

21-11-23

शब्द	अर्थ
भुक्कड़	जिसकी भूख मिटती न हो
संतुष्टि	संतोष
मित्र	दोस्त
मुसीबत	संकट
तमाम	अनेक, बहुत
गँवानी	खो देना
नेकी और पूछ-पूछ	भलाई के काम में किस बात का संकोच

22/11/2

प्रश्न / उत्तर

प्र०=1 भुक्कड़ चूहे के मित्रो ने चूहे को पार्टी से क्यो भगाया था?

उ०= भुक्कड़ चूहे को बहुत तेज भूख लगी थी और वह सारा केक खा गया यह देखकर उसके दोस्तो ने उसे पार्टी से भगा दिया था

प्र०=2 भुक्कड़ चूहे से क्यो भागा नही जा रहा था?

उ०= भुक्कड़ चूहे ने ज्यादा खा लिया था जिसकी वजह से उससे भागा नही जा रहा था।

प्र०=3 भुक्कड़ चूहे की पूँछ क्यो टूट गयी थी?

उ०= बिल्ली भुक्कड़ चूहे की पूँछ पकड़ कर

22/11/23

ARFAT Date Page

खींच रही थी जिससे चूहे की पूँछ टूट गई ।

प्र०=4 चूहे को अपनी आदत से क्या सीख मिली

उ०= चूहे को अपनी आदत से सीख मि मिली की ज्यादा खाने से कितनी बड़ी मुसीबत हो सकती है ।

23/NOV